

an>

Title: Regarding the need to protect girl children of being trafficked and ill treated in other states.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, लगातार कभी असम, कभी महाराष्ट्र, कभी *â€* कभी कोई, के द्वारा, इस देश में सबसे ज्यादा बिहार के छत्रों पर अत्याचार और जूलूम क्यों होते हैं? नालंदा के 50 बच्चों को सिर्फ पैसे के कारण रड से चीरना, पीटना, बंधक बनाना और रैगिंग करना, कभी बेटियों को लाकर बेचना, ये बहुत गंभीर मामले हैं। मधेपुरा, पुर्णिया, कटिहार, सहरसा, कुरुसेला, जो सीमांचल का इलाका है, जो दलित हैं, जो अल्पसंख्यक की बेटि हैं, वह इलाका अत्यधिक गरीब है, वहां की बच्चियों को शादी और नौकरी के नाम पर राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में लाया जाता है और शादी करके उनको 40-50 हजार रुपए में बेच दिया जाता है। वहां पर एक गैंग काम करता है। जिस तरह से नालंदा के छत्रों को रॉड से पीटा गया है, हरियाणा में छत्रों पर ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, वहां बी.जे.पी. की सरकार है। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि उन छत्रों की हिफाजत की जाए। पंजाब और हरियाणा में एक गैंग गरीबों को लाकर बेचने का काम कर रहा है। अभी एक बच्ची को लाकर पानीपत में बेचा गया है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि बिहार की बच्चियों की हिफाजत की जाये और उस गैंग को पकड़कर उसका पर्दाफाश किया जाये ताकि बिहार की बच्चियों का सम्मान हो सके।